(b) whether it is a fact that farmers in Andhra Pradesh are not getting adequate fertilisers at reasonable prices;

(c) whether fertiliser manufacturers in the State are also facing shortage of required raw materials for production; if so, the full details thereof; and

(d) how Government propose to address this problem?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (DR. A.K. PATEL): (a) and (b) muriate of Potash (MOP) is a decontrolled fertilizer. The availability of MOP is regulated by the market forces of demand and supply operating with the parameters of Concession Scheme of Government of India. During Kharif 98, the State Government had requested for arranging additional supply of 45,000 MTs of MOP. Against this, nearly 32,000 MTs of MOP was additionally made available to the State by different MOP suppliers. The distribution of fertilizers within the State is made by the State Government which is responsible for ensuring its availability to the farmers.;

(c) and (d) The imports of MOP during Kharif98 were lower which affected the production of complex fertilizer manufacturers. However, adequate imports of MOP have been contracted for Rabi' 98-99 and ther is no further problem of its availability.

उर्वरक परियोजनों की समीक्षा

2177.**श्री दिलीप सिंह जूदेव**: क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वर्तमान सरकार के वर्ष 1998-99 के दौरान कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात देश में आरंभ की गई उर्वरक परियोजनाओं की समीक्षा की हैं;

(ख) यदि हां,तो चालू वर्ष के दौरान इन परियोजनों और इन परियोजनाओं के लिए किए गए आवंटन संबंधी ब्यौरा क्या हैं;

(ग) क्या प्रदान की गई धनराशि समय पर काम पूरा करने के लिए अपर्याप्त है जिसके परिणामस्वरूप लागत और समय में वृद्धि हो रही हैं;और

(घ) यदि हां,तो इस प्रयोजनार्थ मांगी गई धनराशि और उपलब्ध कराई गई धनराशि का ब्यौरा क्या है?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा.ए.के.पटेल): (क) से (घ) निजी क्षेत्र में उर्वरक परियोजन स्थापित करने के लिए कोई भी बजटीय आबंटन नहीं किया जाता है । वर्ष 1998-99 के दौरान केन्द्रीय सरकारी /सहकारी क्षेत्र में कोई भी मुख्य उर्वरक परियोजना आरम्भ नहीं की गई अत: इसका कोई प्रश्न हीं नहीं उठता ।

Losses of Fertilizer Corporation of India Ltd.

. 2178. SHRI PREM CHAND GUPTA: Will the Minister of CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Fertilizer Corporation of India Lts. suffered a loss of Rs. 538 crores; 1996-97; and

(b) if so, what are the financial results for 1997-98 and the first half of 1998-99?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICALS AND FERTILIZERS (DR. A.K. PATEL):

(a) Yes, Sir.

(b) The company incurred a net loss of Rs. 735.69 crore during 1997-98 and is reported to have made a loss of Rs. 431.17 crore in the first half of 1998-99.

उर्वरक संयंत्रों का निर्माण करने हेतु ऋण

2179.**श्री दिलीप सिंह जूदेव**: क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने उर्वरक संयंत्रों के निर्माण हेतु रियायती दरों पर ऋण उपलब्ध कराए जाने हेतु कोई व्यवस्थाकी है;

(ख) यदि हां,तो गत तीन वर्षो के दौरान वर्ष-वार और राज्य-वार कितनी-कितनी धनराशि ऋण के रूप में प्रदान की गई;